ऐमिटी दर्पण

(जनवरी - फरवरी 2026)

विशेष आकर्षण

- बच्चों के लेख
- स्वरचित कविताएँ
- कहानियाँ
- यात्रा वृतांत
- डायरी लेखन
- अनुच्छेद लेखन
- प्रशस्ति समारोह
- कार्निवल
- शपथ ग्रहण समारोह
- उपलब्धियाँ

✍ प्रधानाचार्या की कलम से

बोर्ड परीक्षा से पूर्व प्रधानाचार्या के द्वारा विद्यार्थियों को विशेष संबोधन :

प्रिय विद्यार्थियों ,

आज आप सभी अपने शैक्षणिक जीवन के उस पड़ाव पर खड़े हैं, जहाँ से भविष्य की अनेक दिशाएँ खुलती हैं। बोर्ड परीक्षा केवल एक परीक्षा नहीं है, यह आपके संयम, आत्मअनुशासन, आत्मविश्वास और वर्षों की मेहनत का प्रतिफल है।

आपमें से प्रत्येक विद्यार्थी ने इस मुकाम तक पहुँचने के लिए समय , आराम और कभी-कभी अपनी इच्छाओं का भी त्याग किया है। आज मैं आपसे यही कहना चाहती हूँ कि आप पहले ही विजेता हैं, क्योंकि आपने प्रयास करना नहीं छोड़ा।

किसी अन्य विद्यार्थी से अपनी तुलना न करें। आपकी यात्रा अलग है, आपकी क्षमता अलग है।परीक्षा कक्ष में प्रवेश करते समय अपने ऊपर विश्वास रखें। घबराहट ज्ञान को ढक देती है, जबकि शांत मन ज्ञान को उजागर करता है। इसलिए प्रश्नपत्र को ध्यान से पढ़ें, समय का सदुपयोग करें और स्पष्ट रूप में अपने उत्तरों को प्रस्तुत करें।

हमेशा याद रखें — अंक आपके भविष्य को दिशा देते हैं, लेकिन परिभाषित नहीं करते।आपका चरित्र, आपकी सोच और आपका साहस ही आपको महान बनाते हैं।

विद्यालय परिवार, आपके शिक्षक और आपके माता-पिता—सभी को आप पर गर्व है। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप न केवल परीक्षा में सफल होंगे, बल्कि जीवन में भी उत्कृष्टता प्राप्त करेंगे।

आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़िए। ईश्वर आपको बुद्धि, साहस और सफलता प्रदान करे।

आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

मीनू कँवर

(प्रधानाचार्या)

ऐमिटी इंटरनेशनल स्कूल , मयूर विहार

संपादकीय टीम

सम्पादिका - पूनम त्यागी

सह-संयोजक-दीपक कुमार ,

सुनीता रानी, प्रियांशी मोहन

सम्पादक

महाशिवरात्रि

महाशिवरात्रि हिंदुओं का एक पवित्र और महत्वपूर्ण त्योहार है। यह पर्व भगवान शिव की आराधना के लिए मनाया जाता है। यह फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को आता है। इस दिन भक्त पूरी श्रद्धा और भक्ति भाव से भगवान शिव की पूजा करते हैं।

मान्यता है कि इसी दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। कुछ लोग इसे भगवान शिव के तांडव और सृष्टि के कल्याण से भी जोड़ते हैं। इस दिन भक्त उपवास रखते हैं और शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा और भस्म अर्पित करते हैं। "ॐ नमः शिवाय" मंत्र का जाप किया जाता है।

महाशिवरात्रि हमें सत्य, संयम और आत्म-शुद्धि का संदेश देती है। भगवान शिव सरलता, त्याग और करुणा के प्रतीक हैं। यह पर्व हमें बुराइयों को छोड़कर अच्छे कर्म करने की प्रेरणा देता है।

अंत में, महाशिवरात्रि केवल एक त्योहार नहीं बल्कि आत्मिक जागरण और भक्ति का पर्व है, जो हमारे जीवन में शांति और सकारात्मकता लाता है।

महाशिवरात्रि से जुड़ी कुछ महत्त्वपूर्ण जानकारी :

- महाशिवरात्रि को जागरण की रात कहा जाता है। भक्त पूरी रात शिव भजन, कीर्तन और ध्यान करते हैं।
- इस दिन चार प्रहर की पूजा का विशेष महत्त्व होता है। हर प्रहर में अलग-अलग विधि से शिवलिंग का अभिषेक किया जाता है।
- शिवलिंग पर चढ़ाया गया बेलपत्र बहुत पवित्र माना जाता है। कहा जाता है कि बेलपत्र से भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होते हैं।
- कुछ मान्यताओं के अनुसार, इसी रात भगवान शिव ने समुद्र मंथन से निकले विष का पान कर संसार की रक्षा की थी।
- योग और ध्यान करने वालों के लिए यह दिन बहुत शुभ माना जाता है क्योंकि इसे आत्मिक ऊर्जा के जागरण का दिन कहा जाता है।
- महाशिवरात्रि हमें संयम, तपस्या और आत्म-नियंत्रण का महत्त्व समझाती है।

सम्पादिका

पूनम त्यागी

बच्चों के लेख

कविताएँ

तारा

आसमान में चमक रहा,
मैं छोटा सा तारा हूँ।
रात की काली चादर में,
जैसे कोई सितारा हूँ।
सपनों की मैं दुनिया हूँ,
उम्मीदों का सहारा हूँ।
हौसला लेकर चलता हूँ,
मैं सबका उजियारा हूँ।
माँ की मुस्कान बनूँ,
पापा का मैं प्यारा हूँ।
देश का नाम चमकाऊँ,
मैं छोटा सा तारा हूँ।

खृशा चुघ
– पहली बी

हमारी हिंदी, हमारा अभिमान

अत्यंत सहज है बहुत सरल है
सदियों पुरानी सबसे विरल है
शब्द-शब्द में बसी संस्कृति
ज्ञान के मोती, स्नेह का चमन है
रहीम के दोहे, सूरदास की भक्ति
कबीर की सीख,तुलसीदास की
शक्ति भावों की गहराई, प्रेम का सार है
हिंदी से जग में अपना विस्तार है
हर मंच पर इसका गुणगान गाएँ
हिंदी से ही है जीवन रोशन
हिंदी ही भारत का पोषण

सना नक़वी
तीसरी अ

स्वरचित कविताएँ

चलो स्कूल!

हरे -हरे ,लाल -लाल फूल

चलो भाई जल्दी, चलो स्कूल।

छूट गईं पेंसिल कॉपी गई भूल

जल्दी लो भाई, चलो स्कूल।

किआरा जैन

तीसरी -स

मेरा घर - मेरी खुशियों की जगह

मेरा घर है सबसे प्यारा,

जैसे चमकता एक सितारा।

दरवाज़ा बोले अंदर आओ,

थक जाओ तो मुझे अपनाओ।

घर में मिलती खुशियाँ ऐसी,

फूलों की महक हो जैसी।

घर में करूँ रोज़ मैं खेला,

जैसे लगा हो खुशियों का मेला।

केशव मित्तल

तीसरी स

स्वरचित कविताएँ

पेड़ की पुकार

मत कर ऐ मानव यूं मुझ पर प्रहार।
पेड़ हूँ मैं सुन ले मेरी ये पुकार ।।
बच्चों की भाँति कर रहा है वृक्ष पुकार ।
फिर भी तू क्यों करता है, मुझ पर वार।।
एक दिन तू पछताएगा , जब हाथ ना कुछ भी आएगा ।
ऑक्सीजन की कमी से वायु प्रदूषण भी तुझे सतायेगा ।।
मत भूल ये पेड़-पौधे करते तुझ पर उपकार ।
खुद की खातिर ही बचा लो इन्हें, कर लो इन्हें स्वीकार ।।
प्रण आज कर लेना, एक पेड़ कटे तो दस लगाना।
एक दूजे को समझाकर वृक्षों को हमें बचाना ।।
मीठे फल के साथ-साथ देते ये हमकों छाया।
औषधियों की खान हैं ये क्या कुछ नहीं इनसे पाया।।
बहुत हुआ अब रोक दो इनको काटने की रफ्तार।
हरे-भरे पेड़ों के बिना सूना हो जाएगा संसार।।
“पेड़ ही तो है,मानव जीवन का आधार”

नाम - नित्या
कक्षा - तीसरी ब

कहानी

रंग नहीं, हौसला उड़ता है।

अफ्रीका के उन दिनों में, काले रंग के लोगों को अपनी पसंद के काम करने की अनुमति नहीं थी। रिचर्ड भी काले रंग का था, इसलिए उसे भी अपनी इच्छा से कुछ करने की आज़ादी नहीं थी।

एक दिन उसके मालिक ने कहा, "रिचर्ड, खेत साफ करो।" रिचर्ड खेत में काम कर रहा था, तभी उसने आसमान में रंग-बिरंगे गुब्बारे उड़ते हुए देखे।

"वाह! हरा गुब्बारा, लाल गुब्बारा, नीला गुब्बारा... कितने सुंदर!" रिचर्ड ने उत्सुक होकर गुब्बारे बेचने वाले से पूछा, "अरे अंकल, क्या काला गुब्बारा भी आसमान में उड़ सकता है ?"

गुब्बारे वाला हँसा और बोला, "बिलकुल ! देखो!"

रिचर्ड ने देखा, काला गुब्बारा भी हवा में उड़ रहा था। उसके चेहरे पर खुशी की चमक आ गई।

रिचर्ड ने सीखा कि गुब्बारे इसलिए उड़ते हैं क्योंकि उनमें हवा होती है, रंग से नहीं। ठीक वैसे ही, हम भी अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं और अपने लक्ष्य तक पहुँच सकते हैं, चाहे हमारा रंग कोई भी हो।

सना नक़वी

कक्षा - तीसरी अ

यात्रा वृतांत

मेरी गोवा यात्रा

सितंबर के महीने में मैं अपनी परिवार के साथ गोवा घूमने गई। गोवा बहुत सुंदर जगह है। वहाँ नीला-नीला समुद्र, सुनहरी रेत और ऊँचे-ऊँचे नारियल के पेड़ हैं। वहाँ पहुँचकर मैं बहुत खुश हुई। हम सबसे पहले बागा बीच गए। मैं समुद्र में खेली और मैंने रेत का घर बनाया। मैंने शाम को समुद्र में डूबते हुए सूरज को देखा। आसमान लाल और नारंगी रंग का हो गया था। यह दृश्य बहुत सुंदर था। अगले दिन हम जगह घूमने गए और उस जगह भी गए जहाँ सिंघम फिल्म की शूटिंग हुई थी। यह देखकर मुझे बहुत अच्छा लगा। मैंने बहुत तस्वीरें खिंचवाई। फिर हम बाजार में गए। हमने गोवा का स्वादिष्ट खाना खाया और ठंडा-ठंडा नारियल पानी पिया। जब वापस लौटने का समय हुआ तो मेरा मन उदास हो गया। गोवा की खूबसूरत यादें, समुद्र की लहरें और वहाँ की मस्ती मेरे दिल में हमेशा के लिए बस गई। गोवा की यात्रा मुझे बहुत

दिविजा गोगिया
कक्षा- ३-स

पहली हवाई यात्रा

यात्रा करना मुझे हमेशा से लुभाता रहा है। यात्रा एक पाठशाला की तरह है! यात्रा के दौरान हम कितना कुछ सीखते हैं। कितना कुछ नया करते हैं। अक्सर हमारी अविस्मरणीय यादें किसी यात्रा का हिस्सा होती हैं। ऐसी ही एक, कभी न भूलने वाली यात्रा पर, मैं पिछले वर्ष परिवार के साथ घूमने गया था। मैं, मम्मी-पापा और मेरी छोटी बहन - हम सब हवाई जहाज से अंडमान निकोबार आइलैण्ड की यात्रा पर गए। मेरी यह पहली हवाई यात्रा थी। एक विशाल हवाई जहाज नज़दीक से देखना मुझे विस्मित कर गया!

हवाई जहाज तक पहुँचने के लिए लंबी सीढ़ी द्वारा जाना भी मजेदार था। मैं ,बस हवाई जहाज के भीतर देखना चाहता था। अंदर पहुंचकर बिल्कुल ऐसा था जैसे बस को खींचकर चौड़ा कर दिया गया हो। खिड़की वाली सीट से बाहर बादलो को देखना और नीचे के शहरों, पहाड़ों, हरियाली को देखना - सपने जैसा था।

पोर्ट ब्लेयर पहुँचकर रात को अंडमान की जेल का लाइट एंड साउंड शो देखने का कार्यक्रम था । मैने सोचा इतना बड़ा मैदान और जेल के कमरों में लाइट शो कैसे होगा? परंतु जब यह लाइट शो हुआ, तो मैं दंग रह गया। लाइट और साउंड शो में आजादी से पहले, जेल में रहने वाले कैदियों के संघर्षों और उनके राष्ट्र प्रेम की गाथा ने मुझे झकझोर दिया। पापा ने मुझे और भी कई स्वतंत्रता सेनानियों की कहानियाँ सुनाई। यह कभी न भूलने वाली जेल यात्रा थी। इसके बाद अगले दिन समुद्री क्रूज की यात्रा में हमने बहुत मज़े किये। हिलते-डुलते समुद्री जहाज पर घूमना फिरना बड़ा मस्ती भरा अनुभव था। समुद्र की लहरों के हिचकोले, सफर के आनंद को दोगुना कर रहे थे।अंडमान की यह यात्रा मेरे हृदय की मधुर यादों में हमेशा जीवित रहेगी।

गर्वित किरार,
कक्षा – III - C

अनुच्छेद लेखन

दिल्ली प्रदूषण और उससे बचाव के उपाय

दिल्ली भारत की राजधानी है और यहाँ देश-भर से लोग काम, पढ़ाई और व्यापार के लिए आते हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से दिल्ली में प्रदूषण बहुत तेज़ी से बढ़ रहा है। यह समस्या न केवल पर्यावरण को बल्कि लोगों के स्वास्थ्य को भी गंभीर रूप से प्रभावित कर रही है।

दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने के कारण:

1. गाड़ियों का अत्यधिक उपयोग - सड़कों पर बहुत अधिक वाहन चलने से हवा में धुआँ फैलता है।
2. फैक्टरियों से निकलने वाला धुआँ - उद्योगों का धुआँ वातावरण को प्रदूषित करता है।
3. कचरा और पराली जलाना - सर्दियों में कचरा और खेतों की पराली जलने से हवा बहुत खराब हो जाती है।
4. निर्माण कार्य - निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल भी प्रदूषण का बड़ा कारण है।

प्रदूषण के दुष्परिणाम और **बचाव के उपाय**

प्रदूषण बढ़ने से दिल्ली की हवा बहुत जहरीली हो जाती है। इससे खाँसी, दमा, आँखों में जलन, साँस लेने में दिक्कत और कई गंभीर बीमारियाँ होती हैं। बच्चे, बुज़ुर्ग और बीमार लोग इससे सबसे ज़्यादा प्रभावित होते हैं।

1. पेड़-पौधे अधिक से अधिक लगाना - पेड़ हवा को शुद्ध बनाते हैं।
2. गाड़ियों का कम उपयोग - जहाँ संभव हो, पैदल चलना, साइकिल चलाना या सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करना चाहिए।
3. कचरा न जलाना - कचरे को सही जगह डालना चाहिए ताकि धुआँ न फैले।
4. फैक्टरियों पर नियंत्रण - उद्योगों में प्रदूषण रोकने वाली मशीनों का उपयोग आवश्यक है।
5. निर्माण स्थल पर धूल रोकने के उपाय - पानी का छिड़काव और कवर का उपयोग किया जाना चाहिए।
6. स्वच्छता बनाए रखना - आसपास की जगहों को साफ़ रखना चाहिए ताकि वातावरण प्रदूषित न हो।

दिल्ली में बढ़ता प्रदूषण एक गंभीर समस्या है, लेकिन यदि सरकार और हम सभी मिलकर सही कदम उठाएँ, तो इस समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है। स्वच्छ हवा हमारी ज़रूरत ही नहीं, हमारा अधिकार भी है। इसलिए हमें अपने वातावरण को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने के लिए हमेशा प्रयासरत रहना चाहिए|

अनुज्ञा राज सिंह
कक्षा - 3 सी

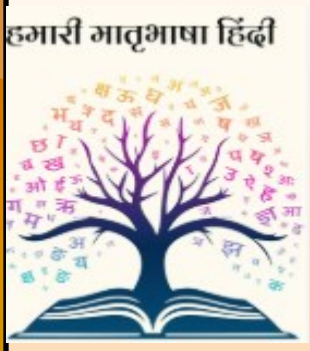

"हिन्दी - मेरी मातृभाषा, मेरा अभिमान"

मैं क्या गाऊँ तेरा यश, हिन्दी का सुरस यश, शंकर, गजानन, शारदा ने गाया है।
संस्कृत सुत कहूँ या कहूँ मेरी मातृभाषा, मेरा पहला नाद 'माँ' हिन्दी से ही आया है।।
जब अच्छे से बोलने और पढ़ने लगी मैं हिंदी,
सबने कहा कि तुझे कुछ नहीं आता है।
अंग्रेज़ी हावी हुई सब पर ऐसे, जैसे ज्ञान की एकमात्र यही परिभाषा है।।
चौदह सितंबर उन्नीस सौ तिरपन, आज पहला हिन्दी दिवस सबने मिलकर मनाया है।
एकता, समर्पण और हिन्दी है हमारी ताकत, गर्व से बोलो हिन्दी, यही तो सिखाया है।।
तुलसी, कबीर, रसखान हों या सूरदास, सब पर अपना शुभाशीष हिन्दी ने बरसाया है।
वीर रस, प्रेम रस, भक्ति रस, श्रृंगार रस, हर रस में ये रस हिन्दी से ही आया है।।
वरदान दे कि तेरा ऐसा करूँ प्रसार, तेरा यह प्रभाव भाव भरकर गाऊँ मैं।
हिन्दी बोलने में नहीं झुकता किसी का शीश, बोलो, लिखो, पढ़ो हिन्दी –
सबको बताऊँ मैं।।
जहाँ शिक्षा संग भाषा-संस्कृति को सम्मान मिला,
ऐसे ऐमिटी विद्यालय पर बलिहारी जाऊँ मैं।
ग्लोबल टाइम्स का भी धन्यवाद करूँ अंतर्मन से,

विदुषी गुप्ता
कक्षा - 3 (स)

डायरी लेखन

दिनांक : 7 /2/26

दिन : शनिवार

प्रिय डायरी,

आज का दिन मेरे लिए बहुत ख़ास रहा | आज हमारे स्कूल में 'भारत के हरित पदचिह्नों' विषय पर कक्षा तीन द्वारा प्रस्तुति आयोजित की गयी थी | सुबह ९ बजे स्कूल ऑडिटोरियम में प्रोग्राम प्रारम्भ हुआ | हम सभी बच्चों ने प्रधानाचार्या, शिक्षकों और अभिभावकों के समक्ष बहुत सुन्दर प्रस्तुति दी | नाटक, नृत्य और गीतों के द्वारा हमने समझाया कि कैसे हम भारत के पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दे सकते हैं | मैंने नृत्य में भाग लिया था और संचालक की भूमिका निभाई थी | हमारी प्रधानाचार्या श्रीमती मीनू कँवर ने अपने सुन्दर शब्दों से हम सबको पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया और हम सबकी बहुत प्रशंसा की | प्रोग्राम के अंत में अभिभावकों के लिए जलपान का भी आयोजन था |

मैं बहुत खुश थी कि सब कुछ सही से संपन्न हुआ और हमें पर्यावरण संरक्षण के बारे में अच्छी जानकारी प्राप्त हुई | आगे भी मैं इसी आत्मविश्वास और जोश के साथ मंच प्रस्तुति में हिस्सा लेती रहूँगी |

वैष्णवी अग्रवाल
तीसरी स

प्रशस्ति समारोह

दिनांक - 12. 01. 2026

ऐमिटी इंटरनैशनल स्कूल, मयूर विहार प्रांगण में दिनांक 12.01.2026 को "प्रशस्ति समारोह" का आयोजन बड़े हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। इस समारोह में शैक्षणिक, खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन सरस्वती वंदना, के साथ संगीतमय अभिवादन के साथ किया गया। । इसके पश्चात विद्यालय की प्रधानाचार्या महोदया ने संस्थापिका महोदया का पादप वृंद देकर स्वागत भाषण देते हुए विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना की तथा उन्हें निरंतर प्रगति के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में छात्रों के अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी रही।

समारोह के मुख्य आकर्षण के रूप में कक्षा । से XII तक के सभी विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। अंत में विद्यालय गीत के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह का समापन किया गया।

विंटर कार्निवल (शीतकालीन मेला) 2025-26

ऐमिटी इंटरनैशनल स्कूल, मयूर विहार प्रांगण में इस वर्ष शीतकालीन मेला बड़े उत्साह और उमंग के साथ आयोजित किया गया। ठंडी हवाओं और खुशनुमा मौसम ने मेले का आनंद और भी बढ़ा दिया। मेले का उद्घाटन प्रधानाचार्य द्वारा किया गया। विभिन्न स्टॉल लगाए गए जिनमें खाने-पीने की वस्तुएँ, खेलकूद, हस्तशिल्प और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल थे। छात्रों ने नृत्य, गीत और नाटक प्रस्तुत किए। खेल प्रतियोगिताओं में बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

इस शीतकालीन मेले ने न केवल मनोरंजन प्रदान किया, बल्कि विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच आपसी सहयोग और सामंजस्य को भी मजबूत किया। यह आयोजन सभी के लिए यादगार अनुभव बन गया।

ऐमिटी साकेत में इंटर एमिटी हेरिटेज क्विज़ प्रतियोगिता आयोजित हुई

हमारी प्रिंसिपल मैम के कुशल मार्गदर्शन और आशीर्वाद से, और हमारे सम्मानित कोऑर्डिनेटर के लगातार समर्थन और मार्गदर्शन से, हम 28 जनवरी 2026 को ऐमिटी साकेत में आयोजित इंटर एमिटी हेरिटेज क्विज़ प्रतियोगिता* में शानदार प्रदर्शन के लिए AISMV टीम को हार्दिक ।

परिणाम :

*सीनियर कक्षा X-XI: पहला स्थान- प्रतिभागी:1. तन्वी पुरी XID 2. गर्वित चुग XID 3. आस्था-XID

इंटर- ऐमिटी मेंटल मैथ प्रतियोगिता 2025-26

हमारी प्रिंसिपल मैम के कुशल मार्गदर्शन और आशीर्वाद और हमारे सम्मानित कोऑर्डिनेटर के लगातार समर्थन और मार्गदर्शन से, हम इंटर- ऐमिटी मेंटल मैथ प्रतियोगिता 2025-26 में उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई । समर्पण, कड़ी मेहनत और असाधारण गणितीय कौशल ने वास्तव में हमारे छात्रों को इस चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता में एक उत्कृष्ट प्रतिभागी के रूप में अलग पहचान दिलाई है।

हम गर्व से अपने AISMV परिवार के साथ अपने असाधारण परिणाम साझा करते हैं।

कक्षा 6 पहला स्थान ,

कक्षा 7 पहला स्थान,

कक्षा 8 तीसरा स्थान ,

कक्षा 9 पहला स्थान

कक्षा 10 तीसरा स्थान

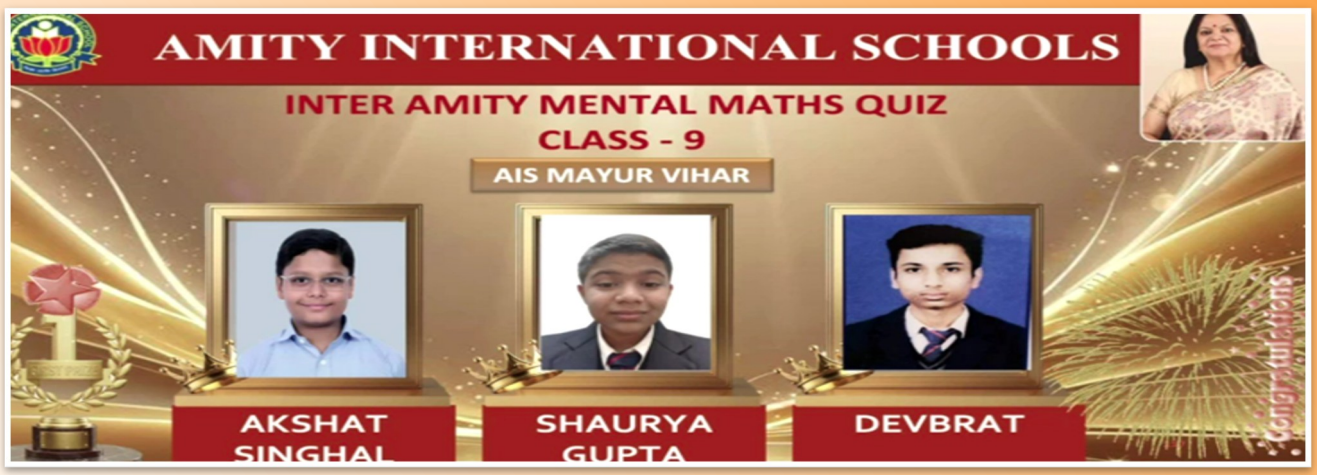

ऐमिटी नोएडा में रामानुजन गणित प्रतियोगिता आयोजित हुई

हमारी प्रिंसिपल मैम के कुशल मार्गदर्शन और आशीर्वाद से, और हमारे सम्मानित कोऑर्डिनेटर के लगातार समर्थन और मार्गदर्शन से, एमिटी नोएडा में आयोजित रामानुजन गणित प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के लिए AISMV टीम को हार्दिक बधाई । परिणाम इस प्रकार रहे -

- **कक्षा XI-XII: 1. आरव वर्मा XII I 2. कनव कुमार XI A (पहला**

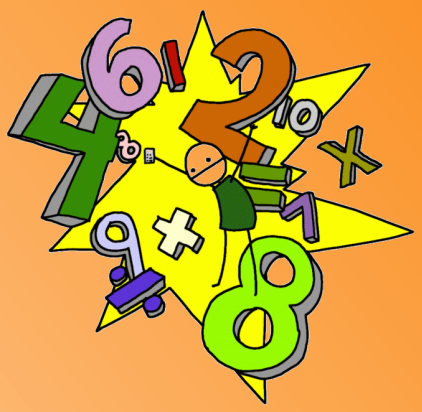

- **कक्षा VI-VIII: 1. ईशान -VI D 2. मेधांश -VII D 3 . तेजस -VIII D**

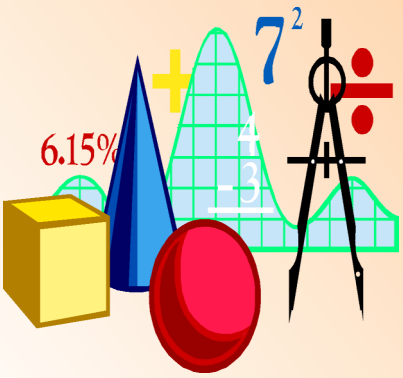

IIT दिल्ली में स्कूल यूथ आइडियाथॉन 2025

हमारी सम्मानित प्रिंसिपल मैम के आशीर्वाद और समर्थन से और सम्मानित डॉ. एस.के. सिंघल सर और अंशु भटनागर मैम कुशल मार्गदर्शन मेंहमारे प्रोजेक्ट "श्वास" को हेल्थ एट होम थीम के तहत बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड के साथ गोल्ड मेडल मिला। IIT दिल्ली में स्कूल यूथ आइडियाथॉन 2025 में टॉप 125 टीमों में शामिल होने के लिए मेंटर और कैरवी को मेडल और सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया।

कक्षा VIII के सचिथ बंसल को भी इवेंट में उनके प्रोजेक्ट के लिए लिंक्डइन स्टार अवार्ड का सर्टिफिकेट मिला।*

बाज़िंगा-इंटर स्कूल साइंस क्विज़

हमारी आदरणीय प्रिंसिपल मैम के आशीर्वाद और समर्थन से और आदरणीय डॉ. एस.के. सिंघल सर के कुशल मार्गदर्शन में,कक्षा 9D के शौर्य गुप्ता ने AIS नोएडा द्वारा ऑनलाइन आयोजित बाज़िंगा-इंटर स्कूल साइंस क्विज़ में 40 टीमों में से तीसरा स्थान हासिल किया है।

पदभार ग्रहण समारोह Investiture Ceremony

दिनांक 6 फ़रवरी को हमारे विद्यालय में Investiture Ceremony (पदभार ग्रहण समारोह) का आयोजन बड़े ही गरिमामय वातावरण में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नव-निर्वाचित छात्र-छात्राओं को उनकी जिम्मेदारियाँ सौंपना और उनमें नेतृत्व क्षमता का विकास करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना एवं स्वागत भाषण से हुई। इसके पश्चात प्रधानाचार्या महोदया ने छात्र नेताओं को बैज पहनाकर उन्हें उनके पद की शपथ दिलाई। सभी छात्र नेताओं ने ईमानदारी, अनुशासन और निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने की शपथ ली।नवनिर्वाचित हेड बॉय आर्जव जैन और हेड गर्ल ऐशल अहमद ने अपनी जिम्मेदारियों का कर्मठता के साथ निर्वहन करने का विश्वास दिलाया।

मुख्य अतिथि कर्नल आहलुवालिया ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि अनुशासन, ईमानदारी और नेतृत्व ही सफलता की सच्ची कुंजी हैं। उन्होंने छात्रों को पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने और देश व समाज के लिए आदर्श नागरिक बनने की प्रेरणा दी।